आज दिनांक 29 मई 2022 दिन रविवार को अर्जन देव महाराज जी की शहीदी को समर्पित एक रक्तदान शिविर का आयोजन गुरु श्री गोरक्षनाथ रक्तकोष में किया गया ।

रक्त कोष प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने बताया कि गुरु अर्जन देव का जन्म सिख धर्म के चौथे गुरु, गुरु रामदासजी व माता भानीजी के घर वैशाख वदी 7, (संवत 1620 में 15 अप्रैल 1563) को गोइंदवाल (अमृतसर) में हुआ था। श्री गुरु अर्जन देव साहिब सिख धर्म के 5वें गुरु है। वे शिरोमणि, सर्वधर्म समभाव के प्रखर पैरोकार होने के साथ-साथ मानवीय आदर्शों को कायम रखने के लिए आत्म बलिदान करने वाले एक महान आत्मा थे। गुरु अर्जन देव जी ने 'तेरा कीआ मीठा लागे/ हरि नाम पदारथ नानक मागे' शबद का उच्चारण करते हुए सन् 1606 में अमर शहीदी प्राप्त की। अपने जीवन काल में गुरुजी ने धर्म के नाम पर आडंबरों और अंधविश्वास पर कड़ा प्रहार किया। आध्यात्मिक जगत में गुरु जी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है।

इस अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष में निम्न रक्तदाताओं ने रक्तदान शिविर में भाग लिया जैसे अरविंद कुमार सिंह, मनप्रीत सिंघ, गुरुदेव सिंघ सहित कुल 32 रक्तदाताओं ने रक्तदान शिविर में भाग लिया।

इस अवसर पर रक्तकोष अधिकारी डॉक्टर ममता जयसवाल भी उपस्थित रहीं उन्होंने रक्त दाताओं को रक्तदान से संबंधित आवश्यक जानकारियों एवं सावधानियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

कार्यक्रम के अंत में रक्त दाताओं को स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी तथा रक्तदान के उपरांत रक्त दाताओं को चाबी रिंग, कॉफी मग तथा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया कार्यक्रम के अंत में चिकित्सालय के अपर निदेशक डॉ

कामेश्वर सिंह ने उपस्थित जनसमूह एवं रक्त दाताओं के प्रति अपने हृदय से आभार व्यक्त किये एवं धन्यवाद ज्ञापित किये।